

स्वस्म निवृतया महिमा स याव सर्वदा धर्म यत्नया इति ॥ धधिद्विस्त्राव ल यावर्गी
 श्रीमहादेव स न ब्रह्म सविल ॥ न तद्गुल महादेवी स्वस्म नीवृत मरुर्म यत्नयाति स
 दार क्का लगी न्या एव स दा ॥ रु मूलादेवी धधिद्विस्त्रा नीवृतया महिमा सू नानं ध
 वृतया तं उा कं नून ग शा रु क सर्वदा इति ॥ लकी यशु सयरा विद्या न्याय री (शमन
 स्वस्म न्याय य एव ग सर्व एव ति निश्चित ॥ स्वस्म नीवृतया एव ल क्षि सय री नून गय
 रु नका व विद्या दय न्याय उ सवल समसु दय इति ॥ न तत्क थं वष्ट न्यात कथय
 निरु मान वा व का ल्या तवला कारी सर्वे याथ समुदात ॥ धक था म्ब नृ म्ब नृ म्ब नृ म्ब नृ
 य इति ॥ स्वर्ग ने ज्ञान धन का स समसु दा य भा क इति ॥ विष वाने वरवति यति

९६ स्वस्थानी पूजा विधि

ASHA ARCHIVES 3271

१०८ नमः १॥ सुखं ॥ आवमन ॥ सुखीये ॥ स्वस्वानीङ्गदाश्वतो नृवृत्तनिमि
त्यर्थं ॥ सुखीयन्मृत्युनमः ॥ युये धृयदीयनमः ॥ गुणयुक्त ॥ तेषां दानयुक्त
गलयेतयनमः ॥ वटकाय ॥ ४ ॥ नास ॥ नृसाय रुत ॥ रुदवीवत्रकामि
नीकनक्षयनमः ॥ रुमिणवक्षमाताय लीननायनमः ॥ रुणैलाय विविना
मलीमक्षमायनमः ॥ रुदशदिशायुवगमक्षत्रलीतङ्गा लीनमः ॥ रुद
ममयनिर्गक्षयनमः ॥ रुदवित्रकामीनीनृक्षयसुम ॥ रुदवीवत्रकानी
दुदयायनमः ॥ रुमिणवक्षमाताय लीनसखा ॥ रुणैलाय विनामली
जिखायनमः ॥ रुदशदिशायुवगमक्षत्रलीकवेवायनमः ॥ रुवन्दवक्षुदाम

यलोत्तगायनमः ॥ रुदवीवत्रकामीनीनृसाय रुत ॥ नर्वषष्ठ ॥ नन
कत्रक्षयन ॥ नृयेयारुदका ॥ स्वस्वानीङ्गदाश्वतो नृवृत्तनिमित्थार्थ
जीखायनमः ॥ नृन्मखा ॥ ॥ दानयुक्त ॥ रुगलयेतयनमः ॥ वटका
य ॥ रुगनृत्था ॥ रुनद्विज ॥ रुमलाकायाय ॥ रुधर्माय ॥ रुकृन्नाया
॥ रुवेनाकाय ॥ रुनृष्याय ॥ रुनृधर्माय ॥ रुनृकृन्नाया ॥ रुनृवेना
काय ॥ रुनृनेष्याय ॥ रुनृध ॥ रुदकाय ॥ रुदद्विज ॥ रुदकाय ॥ रुवा
दनादि ॥ रुनृक्षत्रकि कमलायनायनमः ॥ सिंहासा नाय ॥ रुदवला
सना ॥ १ ॥ क्षान ॥ रुसर्ववृत्तदीका लीनगकमलानना ॥ सिंहाय

कासनालिना सर्वोलक्षणद्वयिता ॥ यदुक्तमहादवी जटाखलुन्द
मद्विता । नीलोत्पलाख्या वामदक्षिणवज्रदण्डहा ॥ यद्वज्रमेधनी
यद्वज्रवामदक्षिणथा ४ कुमात । सर्वप्रकृतसंयुक्तं ससुनी जगदीश्वर
॥ ध्यानपूर्वकं नमः ॥ यदुक्तं ॥ त्रियाङ्गलि ॥ कृष्णं कृष्णं गोत्रीयादुससुनीद्वय
नमः ॥ नान ॥ सर्वतीर्थमयं दद्यात्तद्गतिं यथैवमिति । तस्य दद्यात्तमा
दायत्मानं पुनरुत्तिष्ठति ४ ॥ कृष्णाय १ ॥ कृष्णाय २ ॥ कृष्णाय ३ ॥ कृष्णाय ४ ॥
यत्तु १ ॥ कृष्णाय २ ॥ कृष्णाय ३ ॥ कृष्णाय ४ ॥ कृष्णाय ५ ॥ कृष्णाय ६ ॥ कृष्णाय ७ ॥
कृष्णाय ८ ॥ कृष्णाय ९ ॥ कृष्णाय १० ॥ कृष्णाय ११ ॥ कृष्णाय १२ ॥ कृष्णाय १३ ॥ कृष्णाय १४ ॥

१ ॥ कृष्णाय १ ॥ कृष्णाय २ ॥ कृष्णाय ३ ॥ कृष्णाय ४ ॥ कृष्णाय ५ ॥ कृष्णाय ६ ॥
याय १ ॥ कृष्णाय २ ॥ कृष्णाय ३ ॥ कृष्णाय ४ ॥ कृष्णाय ५ ॥ कृष्णाय ६ ॥ कृष्णाय ७ ॥
कृष्णाय ८ ॥ कृष्णाय ९ ॥ कृष्णाय १० ॥ कृष्णाय ११ ॥ कृष्णाय १२ ॥ कृष्णाय १३ ॥ कृष्णाय १४ ॥
गवमनिष्प्राय १ ॥ कृष्णाय २ ॥ कृष्णाय ३ ॥ कृष्णाय ४ ॥ कृष्णाय ५ ॥ कृष्णाय ६ ॥ कृष्णाय ७ ॥
लाकाय १ ॥ कृष्णाय २ ॥ कृष्णाय ३ ॥ कृष्णाय ४ ॥ कृष्णाय ५ ॥ कृष्णाय ६ ॥ कृष्णाय ७ ॥
ययत्तु केन विनिर्मितं । यत्तु दत्तकमल कामलं यदुत्तमं ॥ ॥
वन्दना ॥ दीयान्प्रसमेत्यत्तु दत्तानां यत्तु यत्तु ॥ नाना सर्वदत्तानां
यत्तु न युतिदत्तानां ॥ ॥ सुगंध ॥ कयूराजुत्तु कयूरी नानागन्धस्य

तं । गृह्णतां मङ्गलार्थं यत्तथा विप्रजिहम ॥ ॥ द्वाकृत ॥ द्वाकृत
यत्रंदायं सर्वं यथोक्तं मङ्गलं । नृकसमाकृतं यत्कं सुधादवीयं जिहम ॥ ॥
द्रुसकन ॥ द्रुसकनं नन्दनिरं विष्णु । द्रुसकनं मङ्गलं यदं । सर्वे कामयसिद्धिः
सम्पदा यदयं यत्तथा ॥ ॥ सिद्धिमुक्त ॥ सिद्धिमुक्ता वीर्येति कं दविनाभालि
मङ्गलं । सर्वे सोमग्ये सिद्धिः ॥ सिद्धिमुक्ता वीर्येति कं ॥ ॥ द्वाकृत ॥ द्वाकृत
लं यथोक्तं संहितं यथोक्तं मङ्गलं वलं । यथोक्तं द्रुवदवि लं गृह्णतां यत्रमञ्ज
नी ॥ ॥ यत्तथा वीर्यं ॥ नृकमं तनु स्य द्रुसकनं यदवीर्यं सल्लारितं । गृह्ण
तां दवीर्यं तनु स्य द्रुसकनं वीर्यं यदं ॥ ॥ माला यत्तथा ॥ मालादिनि

सुगन्धानि नानाकातिसुल्लारितं । मयादलं हि यत्तथा गृह्णतां यत्रमञ्ज
नी ॥ ॥ यत्तथा ॥ यत्तथा संहितं संहितं लक्ष्मी वास गृह्णतां मङ्गलं । गृह्णतां कुरु
माता मङ्गलं यत्तथा संहितं ॥ ॥ द्रुसकन ॥ नीलायत्रं यत्रं हि यत्तथा यत्तथा संहितं
द्रुसकनं यत्तथा मङ्गलं नि गृह्णतां द्रुसकनं ॥ ॥ द्रुसकन ॥ कद्रुसकनं
संहितं संहितं यत्तथा संहितं । गृह्णतां मङ्गलं द्रुसकनं तव वलं ॥ ॥
यत्तथा ॥ नानागन्धसुसंयुक्तं धूपार्थं सुमना कुरु । आद्यालं द्रुसकनं यत्तथा
यत्तथा यत्तथा गृह्णतां ॥ ॥ द्रुसकन ॥ मङ्गलं मङ्गलं यत्तथा यत्तथा संहितं
निक्षेपनं दवीर्यं निक्षेपनं तव रक्ति ॥ ॥ द्रुसकन ॥ द्रुसकनं

१ नृतिमेलसूत्रि कवनि
नमस्तान्नादावे यद्विस्मयेन येन

यनविष्ठाक धाधमादादवसक समस्तकामनाइत्य
हादवेवावे ॥ यद्वदवमहादव ८

माक्षलव ह्राय ॥ सिधमूढल ह्राय ॥ विसर्जनयाय ॥ गर्व गर्व यत्र स्मने
संस्तानी जंगदाध्वो । वसव वसव नृदं क्षान यनी जागमनं हव ॥ मधुव समस्त
नदासवाय ॥ ॥ १६ नमः श्री गुरुभ्यो नमः ॥ श्री स्वस्ति नमः ॥ श्री स्वस्ति नमः ॥
शुद्धे सुटिकसंकाशं शिभनं क्षान नृ यि हं यक्षमजि नृ साय दूत । यावै तीय
प्रमयध्वनं ॥ धधं पूर्व कालस कलास यवै तयास यावै तिसहितनं श्री महादववि
क्राक । गधिमाहादव सर्वं वलु लायन । वृद्धिमयनेमः क्षानं वृत्तं लायकदल्लं ॥
रुमहादव कुलथात्रे सर्वं वलु लायन । वृद्धिमयनेमः क्षानं वृत्तं लायकदल्लं ॥
नसध्वनय । समस्तया श्रीध्वनं वृत्तं नमः शिवाय नमः मद्रु ललायक सदस्यं वत क

नथात्रसनं नृदसवियामात्र ॥ ॥ काधर्मः सर्वधर्मो धर्म रवतये माहितः ॥
सनासुनतथेनागम हला लायकतथयुगा ॥ जाता वविविधकाति सुथा न्याविति क्षान
ना ॥ नज्ञान किं वतं दव तद्रु जं कथययला ॥ ह्युला कनयानस्य नृतिगुह्ययादत
या वत दवनिना नृकर्मया दान वृत्तयात्रया हितरुनं दवदेला नाग ददा किं नृध
वसु । युग स्वाभि नृन्यककाति नृनकेरुकाजनमनस्य ध्वननेनवा ॥ पुनै यादतये वत दू
दवनिना नृदसविस्य पुसनइयमाल धर्क यावै तीयानवृत्तथा ॥ श्री गगनवाय ॥ साध
साधमहादवी यत्नयादं युवाहित ॥ समासेन ववकामि वदर्थं वतमूलं म ॥ रगवान् श्री
महानृदसं नृदसविया रुकावै तीयदेव वृत्तिसाधु । जकदेका ध्वनतकथारवं संश्वयनइ

यत्नगुरुत्वविज्ञतनयाकान्तनमोऽयम् ॥ ॥ इन्द्रकस्यविष्णुस्थानं तद्गुह्यमद्वयम् ।
 कथयामिनसं दृढं मनस्यहानगन्धिनि ॥ इत्यार्षेतीन्द्रो नृतिश्रुतयो कानानसुयाकनो
 यकासमयाका वुतयाख्यं न नृणां वुनदक ॥ मायशुक्रवेदुर्देही कृद्गुसमस्तुमा
 नत । स्वस्मनीयमभ्युत्थानं वुतनाड्युकीरितं ॥ मायशुक्रवेदुर्देही कृद्गुसमस्तुमा
 नमूढवस्वस्मनीयमभ्युत्थानं वुतवनलयध्वतसमस्तुवुतया वुदामनो नृणां इन्द्र
 ४ ॥ तद्विनेष्टा तत्र स्मया स्नात्वा शुक्लाम्बुजावत ॥ उकरकननकने हृमिशायिदित्तुया
 ॥ ध्वजुर्देहीदिनकृद्गुयातसंकाकाव विधिर्ध्वानयाय तायवसुनतियनगतिरुलका
 वुकरकवाग्रनयाय यं वुत्तुङ्गनयं नृणां स हृमिसेकाया कननदभङ्गा ॥ वृक्षम

वुतायसुनमावत ॥

इन्द्रो वाकाय स्नानं वाधिवदावत ॥ इन्द्रो मास्यातकायात ॥ संतिवृक्षमद्रुत्तनयति ।
 यातकालुनदुर्दकाव विधिर्ध्वानयाय वुतनाड्युकीरितं समस्ततामलावक ४ ॥
 नात्रिर्मूढुलं कृत्वा युष्मध्वयुलाभितं । दायतामूलनेवद्य ततार्थकुयथादयतु
 ॥ सुद्रनसमस्तमूढव वुतनेन सायस वंथरावमधुलाकाग्रनवानं वुतवनलय स्वा
 नध्वयससा दायमाननेवद्य नृणां यादेलनदयकं धर्मदंन ॥ १० ॥ ॥ त्वामावदुद्रय
 रुर्गुयतिमामूढुलविवा । नृणां रुग्णगतं दृष्टं रुलध्वयो नवन्दनं ॥ इत्यार्षेतीन्द्रो वुतमव
 दवयोक्त धर्मदंनमद्रुत्तनकवा यतिमादतसा यतिमास धर्मदंन मदतसा मद्रुत्तनदय
 कं ॥ धर्मदंन सत्रविद्या याताव त्वानखायमात्र मद्रुत्तसा याता ध्वतयुमाधनस स्वा

न समस्त रु का दयक ॥ ४ ॥ ~~धमा~~ ~~का~~ ~~न~~ ~~त~~ ॥ ४ ॥ ~~का~~ ~~ड~~ ~~ला~~ ~~वा~~ ~~शु~~ ~~ड~~ ~~या~~ ~~मि~~ ~~ता~~ ॥ वाक्कलान
लाङ्गि बाहु दक्षिण तु यदा यदा ॥ वृज नर्क सक धार्द्र्य पूर्व कन य दक्षिण यादा
व वाक्कलान नयावक दक्षिण विया ॥ कर्था ॥ धुय रे क्ता यज यज गदी भवती । तथा
गा धर्म वृक्ष न विकार गार्क जा विर ॥ गर्व कला रु य क वं सयि साक्षरु न गत । दूय कं यत्र
भगानि वृक्षार कानि वदयत ॥ ७ ॥ रु कियु र्व कन ज ग दी भवती दूजा यादा व धवा स्थान क था
क न मा धकृ य या वि वि क्ता य वृ च न न न्ना दू सम र्द कृ य काम ल व न सो ख न ग वृ या य
धन स काल भग वि ॥ १०० ॥ या या डा र धन म र्द यत्र म भवती या क रु क ला व नान नि वद
न या य ॥ न व द यि ला द व शी तथा धर्म नु ल व ये ॥ कर्म नाम न सा वा वा सा स्म ना चि

कलुत ॥ धमा रु निव द न धन दव धर्म राज य कर्म नाम न सा वा वा ध सो ता ड ला व
क स स्म ना यत्र म भवती चि क न य रु त्रा ॥ य था वृ र्ति वि क्षान न गा र्द्र्य पूर्व क था प्रिय । वन्द
ना कृत स चि न्ता क्षान्ति य म त ४ यत्र ॥ सुत था वि क्षान थं धार्द्र्य पूर्व न धर्म द न दू
यी चान नू तल र्व ध सा तान र्व स सि व य थ यत्र म भवती या मू लि क्षान या य ॥ गुरु वृ
व र्क्ष दी फारा जिने ज कमलान ना । सि ला से न समा सि ना सर्वा लं कान रु वि ता ॥ नीला
य ल रु या वा भ द क्षि ष व त्र दा शु रा ॥ स्व र्ण व र्मा ध रा वा दे वाम द क्षि ष था वृ क मा ॥ व रु
वु रु रु मा त रु दू रु य वृ ष क व न्ना उ वं क्षा त्ता म रु द वी स स्म ना रु ग दी भवती ॥ धान ॥ या क
या दा व त या सु व र्क्ष व ना जिने रु कमल धि म् शा ला ना क म ख सि ला स न स वि द्वा क रु व न व

नविश्यं धाम स्वडासगयिठ ध धन वन धनलय धधिममलि स्वस्मना वनममनी
या शिवयाहनसर्ना धधिममलि आसावाहनरुको विगव वेहुवु जातिनरुडु ध धधिममजिव
भकिमलि धनयायइभा ॥ नृद्ये दद्यातल ताई यी तत ४ मुहुकु काजय ७ तता विसर्जना का
या मलुलं जत्र वाहय ७ ॥ धननलि नृद्ये विय धनलि मत्रम नुन जाय याय लि धी मुहुधन
कावे विसर्जन मलुनका नदी जत्र सवद नयइभा ॥ तता इष्ट दूकं गृह यात सुखं धा ववरा
७ ७ ७ वसुनसे वय दूजय त्यतिवृद्धया ॥ ध्यासी तया मार स दका स गोया काया व उय
कानधय ताय काथा नन वासानका व सुजुत धत स्वामि दूजाय ॥ ये लं दद्या धत नये
मिर्षवाला व कायि ७ तत लोला य सर्व नद्या साहयत धर्व ॥ ध्यादु सर्म ४ धव स्वामि ल इत्ये

यसमिमद तं सा कायं या तं विय कायं मद मसा लाव काय य तं विय लाव कायं मद त
सा धव गमि स ७ ७ ७ लाव जन विय : धत मद काव नदिस ताहन यइभा ॥ स्वयगतनुशा
क यं प्राणी जागत्र धाविका । तत यातव तं क यीति येनितल विवर्जय ७ ॥ यायानलीका
शत्रु द्वि ७ ७ धमयालया य ग्रहिसना गल ना याय स तियात कात्र स ज्ञानादि दूजाया दाव
नमस्काय काव विसर्जन याय धर्था द्वायाव विधिइभा ॥ २० ॥ ॥ तदुत सुरु लं दवा
धुवतया रुलसंखा जन द्वायु मरुया नृन मरुत धुवतया पुलाव ल धर्म नृथ कामभा के
यत्र मगति तीलायिव ॥ वव वव वव तं क यीत स्वस्मना वतमा वत्र ॥ गम स दू स दू गवे य
मिस्कात्र विरुक् ॥ के न्या काना नृन ७ ७ ७ वाकि वात्र लका वि शशव सुत्र तं महि दान

मनीरुत्रविश्वनस्तुतनका... तीदवीयावतदकाव... स्थितकारु
लत्राकु... क मनरुकायायमाल... थत... लत्राक... रुत्रा... थसंदरु... माल... श्रीम... न...
न... यावती... न्याद... सविया ॥ दथ... वाव ॥ र... कथ... मि... मा... कन... व... का... ता... के... न
सं... वि... धर्म... सु... व... वि... दा... म... ॥ कथ... त्व... म... दा... व... यदि... था... ग... सि... म... य... ॥ व
न... द... यावती... स... ने... पु... ना... रु... श्री... म... थ... क... था... दि... न... अ... नृ... ति... द... व... नी... दू... वा... स... न... यु... का
स... या... ता... सु... ना... न... ध... धर्म... दू... वा... ध... न... ल... य... ना... दू... व... था... या... के... दा... ना... अ... ज्ञा... ग... र... या... वि... स्का
न... न... आ... दे... श... वि... स्थि... त... स... ले... रु... य... माल... ध... र्क... ये... रा... स... श्री... रु... ग... वा... न... म... दा... ने... ड... न... ध... र्म... वि... स्का... ले... न... आ
द... श... वि... या... रु... त्रा ॥ श्री... रु... ग... वा... न... वा... व ॥ थ... र्थ... दू... र्व... का... न... स... व... म... य... लि... ध... या... न... म... ग... न... द... स्थि... धा... द

शिवरुद्र नामवाक्ये वट्कर्म असंयुक्त्या वसलवंधा (म) धवाक्ये धननग
सारुसव धसकु वृतिवृता सति क्षयानाम धवति नर्कं कुप्यवधाद गंगातिप्रसवा
द नूनक संयति धर्धं वरुत्रयाधात्र पूर्वज संयापिवाक याक नान धवतिस संका
नमद धस नानमद इखरात्रया वरुद्र यादिने स नृयस नर्कं लिप्यु व गंगातिप्रस
वालि नृकस्मात् सारुं कं वयाव धवतिस दूतन सान सोखि शक धसायाव नृ
धयत्रे गत्रयाव नर्कं धात्र धनत्रि धसा सोखि न के न्याजायत्रय नृतिलर्जनवक
धसायाव शिवरुद्रक वाक्ये धने धवसु लादा रु सति छुड सलाग्य ने देवन धकाक
प्रा धजादाव नानन्दन वृवनन नृयदाव जात कर्मनादिन याय धर्क धायास

धसतिन धक न्यावयाव छुव धा नार्थ कर्मयादा (म) मयुध धर्क नाम वृया
धक न्यादिनदिन दिनदिन वा धत्रय धक लाया वन्द माभा धं धयाशीत्रखरावसा
यायव सारुं सारुं यायासद न धक न्यायावव न नून गदानय दूतयस्या धर्मयुन्य
याता छुन्द (ग) यरुव धसा मकु नो धर्क के नास यवैतस महादवयाक छुन्द विद्या
न के नास धदाव महादवसक नृसाङ्गे य धम नमस्कात्रयादाव छुन्द सनवृत्रा
धी महादव उमृति सारुं शिवरुद्रक वाक्ये धने नृन्यव धयाता धनज (ग) यरुव वृ
नथात्रसन उ वाय यादाव उत्रकायाय मात्र धर्क धायास धी मदवेसन नृयदानवि
या हावृ छुन्द धायममाल धव छुन्द लाक संधानवति उन्नत याय याक धर्क

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय धर्मकायालिकरुखत्रयावे धुवाफनयायुस दैत्रुथायावशाना धवत्र
स धणमयरेव फूलीवा सानस केतावेधाद दमत्रु थायावशाना इसेनमदेद
धस दमामनतायाव फावेलातं कुआभासोनस फातावधाना कार्यालिकनशाद
वशाक्ष नूनकायाव वियमतवनाधक मामनलाकावतुनि धुवफूलीवान नूनका
काव रिक्काकुतवर्ल धनवधानमद चमिउसायाव नूनसकावजायत्रयाव मलाद
सन धुवफूयातं अयविन शादिवाफूलीवा कुनतिनून कालिजनना दययादा
स कुनवयदादवेआ ध सामिलायमाल धकं अयविना धअवळ काव नूतिदुस
नशायावधाना धननि रिक्का मकासा मलादव धव थायके लास ववेतवास नून

गदवदवी दवकन्यामूलाव सखा नुयत्रम धजीया वतदं नया दाववाक इला
धवलस मलादवयाखालसायाव यावेतीस ध आदसदेव धुवतस जेला कसइका
सव मल्लो कनमस्यव धतनमल्लो कनसयक सातं आदसयस तइस धा
यमाले धकं धयास मलादवसन आशुवनामम विहादि आशुममधि दूमल्लोका
वाकाव नूतिधनिन नतव नूतिदु ४ खिजनं तव नकासदु फं धधर्मविकी वुवका
न युद्धरुल कं कावताधं धकं आदवीवं दवलाकनं सज्जेस धधर्मदं का धनलि
गामयइवा फूली विवाहानचकेवलरुयाव आतम दस्यं वललिइ कया धायनम
वकात्रमड नूतिदुई का फल निवजम धयाताम वयदं दव वयसनवर्ल धनायव
कायइका रुवे धग्नि खास जाल काववयस धुवकादीया विवाहायाययाटं हानवई

आयदमाळा धन ० सार्त कन्या सनविया विमिथी । धनलिद्वय शिवर कसा फल
त्या गयाक मामसती वाढ धनलिगु ठिती कोलनलि धुवफली वाया गवाधनर
न धतामलोस्य गवृ सदत ॥ ॥ ससक्रा ० वा फलनविनने यावथवसु हं कोष्ठु डसल
गधन सनानदयवना सनाथासान आला ल्याखयाययात साथमद लडिन वयड
वयधक सुवाधयाळाव दगाननस रिक्काशनवाढ विलेनवन नूतिवृद्ध वनसाम
र्थमद लसेऊननपूयाव कुमुदिवनस मरुतुव ॥ धनेलि वाफली उकात देखनध
सची को दगमास संपूर्ण रुयाव धुवाफलीस पूजदत जातकर्म आदिनेसमस
नगवाशिवाला कन विनायाळाव यावकन धनलि धुवोल क साम र्थरुयाव विवाह

धुळनलि कुडूयाकनस मामयाकळढन धुवाफलीवायानाम धीनवनाडदव धन
धन शक्तिमाम डववसु सयाकायड केनेक न्यमान गवानाधकळढाव मामनक
ढारुयुवु डक गवृ सचाढवलस विशेषनधक यनेदस विज्ञाक धनलि धगनाची
न मेकंजिक कुनंजनमजिया ननगखेडय धनाकुडस नूलाय आवकु याय धक धाया
मामेव वनळ कोव नवडादवन धनरुमाम कायया धर्म ववुडुडयाये दतसाडनधाळ
रुमदत सा गंगेस गयास डासनामन शुद्ध याळाववय डव फलीवाड कुनिदानन
कुडनयात डतासी वलवियाव ड आरु विद्वान धस्य मामयाक आरु शाळा थमामन
धन डवनाथ याळाव वनमनेव ० कुनू धलनवीळा धस्य सोमि फयाव धाया

थसकायन नून गयति कानक्ष मासवाधनयाव नृक्षकायाव ववउ ईशानकश
सठकाव ववभाक निश्चयन (गयाव नून गविजये या काव गंगस धाई तेयेला
दियाका धनलि कुशधाठ रूलिवा धुव धुव वंठ थस (गमयोरु वाफ दीन नृतिइ ४
स्वलात्रयाव लकावायाव थमवा कोद गताद ताव नदि गिरस नृजालजिया रुनन वा
सदयक पिवेन वाका धुवलेस पूर्वस थीमकादव सेन धा सी रुया नृश्वमपिसन मे
ब्राक से रिजाव सुखिइ रवीठ काव धन गजया सनीयवले थसा रुस्यं वाठ (ग
वालयाक ठेकाव ल वि (गयाज रुन धन गजस सुखिइ रवीस अस्थं ठेन थस (ग
वाल न क का दुइ खिया सिनी यन मइ रवी नदी तीनस वा सयाठ थी (गमयोरु वा

फली दुइ रवी अस्थं क काव डास गमियस वंठ सनताव धर्ज लाठिइ रवी वाफ
ली दू उ ग उ यद सकान धर्क रुवया धुव तया खंसमसं वि धर्न पुन्यरुल क का
व (गमयोरु नृतिरु धर्मान रुयाव धन श्रममपि क यति वियाव थव वासस विज्ञाव
का थस चिकनया धुव ग उ यद सकान विज्ञा क कं कुला ययक कुसदून मइ रु
काव तया का कुन पि लायाव डास नान क ता थाव थम माल द्याय धर्क पिदावन
धुवलेस धन श्रममपि धी असवु काव उद वि डोली सायाव वाठ कायति कास ध
न ता थाव थम सा मस था विज्ञा का धनान लि म्मन द्या काव (गमयोरु थव कुवन का
स्थ वाफ दीमइ रवी काव नून कइ ४ खन विजायया का कावति थं न कास्थ धन खान

॥ थसयूनर्वात्रविनत्रया जन्मरागीनी धर्मउयदसनरुक्मा मयाकउयदसता
कान धनखमन ज ताविलवर्न धसवारं वार्न श्वाया धनलिउतदिन माद्यगुक
यउर्दजी निकतरुयाव डसन्ना ग्मथं कृधकृद्ध नगविना लाल सति के कृयनिसि
स्वस्मनीउत विखनथं दंका यूरुमन थनेवयमात्र धर्क धर्मदंका धनलि धकृद्ध
धधर्मायायरावन नवनाऊदव थर्न काय थकाव मानन्दुतिसिचकाव धध
र्मदंका र्व कीका कायनमामवदुभाक शर्द्धयाका समर्क थथकाकावचाका धन
लिनाकृ समरुयाया च कायवियाव भाव १०० नथमयालेन याकाव सुखनधोर्न
॥ गुतिष्ठि न कालनलि थदसयात्रा जाभाक नृयुक्तकाजा थमलि लोकनचिन्तल

या लाजा मरुर्क यजावानमदुर्क धनवनाऊदव नृतिसुदुली वाफस नाऊविद्र
दव धतन धनाजायाय धर्क समरु डाला काव धनवनाऊदव मामनसहित किसि
गयकाव नृनगवाऊन वायु दयकाव सिं दूत्र जागाया काव दान सनर्मर्द्ध नादि
याकाव नाकारिषे कविया ति कासा ना धनलि नृनकनाऊ सुखनलाकाव चिन्त
त्रया शक्तिमामरु कृयसादन धधर्मायायरावन जनाजाऊत्रा आवदुवाना य
ताथ र्द्धका वाव कृलीया गवर्न धर्क कृकाव मामनर्कका ऊवाकाव ताथव ध
वधुवाने आवदुल्याध्यायाव दानकवध्याय धस्य दल्यानर्क धूर्ल काकाध्यायथ
यस दल्यानर्कवकाव कर्त शक्तिव कृलीरु धुजानेवनाऊदवया फाया धसकळ

शुभ कृती नाना तर्क श्रुत्या समग्रं यथाचित् बुधयति स नर कात्रवरा वा ३
सामिना जाह्नवा धक कदा स एतस्य विना स नयान् न विद्युता स इति कथयति स
न दलिया यनिमन थायन माल धस्य लादा एथ सन दीति न याद्वहिना नृक सात न
पूर्य दकिरुव एथ सदलिया न सामिनी तत्र ताव धकी मु क सात्र वां द एथ दृष्टा द
कि थाय स देव क न्या नाग क न्या मूलाव ससु ली यन मभ्वी या वत या दाव वां द एथ
सायाव नृति रुष या दाव वां द दलिया नि लाव याव वृ स्य रु ल्य सामिनि कं द शक्ति व
कृ ली रु इयति न र्क नृति ला गी देव कं न्या यनित्य न ससु नी ससु यन मभ्वी या वत या
द वां साया धर्म या स्नान का या धन्य धन्य इयति स ला ग्य एथ स धव कृ या नृति को धन

धनलि धवापिना क्रास म... समस्तं खन न्यायावभाक क्रास काल
डिमन दान १२ लि

याव धयनि दलिया न र्क ला तं रु यापि दू य ली इ थना द लि स वा द ता थव मद मद
खं द्वा जं गना ससु नी वत दृ दव दृ धर्म दृ रु ल दन मया खं द्वा न धस्य थय क
य का धन लि धन नि द्या या दा या रु ल म खं द्वा व कं यत्र न दी वा धन याव मय गज
न याव सा र्क भा क पू र्ण ता द्वा य म ना क धन लि न दी ती त्र स यन मभ्वी य स रु द
वि द्वा दा व नृ द श वि र्ण रु या प्यि नी इ व त नि द्या या दा या रु न त या व न क न्या म स्या न्या म
इ ल स डिमन दं ता १२ य द न या व था ध द ल्या न्य र्क इ र क इ न धव रु स न र्थ का या
व स र्म द्या या व यन मभ्वी नृ क धन इ या व वि द्वा क ॥ धन लि स म र्क वि न न दा वा ल द्या प्र जा
स क दा व व व सि खा त ला त्र या व थ ल वा दा व द्या या पु न द्या न डिमन दं १२ थ न र्क वा द थ

नलिकानी नत्रस नवनाइदवन सलतयल^क धसत्रतयुतिव्यास धवदसशवसयका
वाक्कल निमनुयाका धनिमनुं थयस लाययाक कयवदसवाक्कलइरुं धयापिनी धंतिववत
या लनविक्राकथन वदयावर्थां गम खंटाव कोरु कवायाव धकवून दवसनक दा रुमाख
पूया रुस यादुन मदयक मादावचाद वूस धस्यं कटाव यापिनिन धनं ऊयापिनी सासु
नीव तनिडायाका नऊ थर्थि नूवकाइवे वून ऊडा दानयोय माल धकं धया कटाव देया
वस्यं धवलाइन नामाधर्मविदुययाइरुं धाहरेकन नामाधर्म दन पंखनमाइरुय
नखनधलीइइयाय धस्यं डायदसविया थसडसनादशर्थ धयापिनीन धर्मदं काइना
धनसास्यं थधर्मेयावलावन पापिनिनूयतात ताव दी वगनीनइरुं दूवयासिन

वाक्कलीवाइयिव धका धस्यं लवाप कन वूनवा द दल्लन कं डायव नीरुवक
धवाक्कलीवा कायकनकुया

सुन्दलिइना धना धर्थसायाव कयवदसइवाक्कलनवनाइदवयाक निमनुयसं
विक्राक वाक्कलसलससंवाकाव पूजाइया लायधूनेकाव नाजायाय वससायाव ध
खंसमस कयवदससनइया धवदव नाजानं गमयइरुं नामासि साइरुयाइनका
यकलव्वाया मूठवाका वाक्कलन लंसायाव वउधाव कयावकाव दशसवाइनथा
याव सिइन जागयाकाव ददस निमंके नदि मंगनकर्मयाद दूरुयोव नाजागुरुस
नवनाइदव नाइवासहितेन सिंहासनस धवाक्कलीवा तयावे गमयसेहितन था
हितइ वाक्कलं नलक मूठान वदयनयाव नाजा नलिध कविया नाजिर्वा दविया ध
नलिनाइकायाव वाक्कलसमसं थ धस्यं विक्रावका नाजानइरुसर्न थथिज